15
131

प्रमुख सचिव

राजस्थान विधान सभा, जयपुर।

नियम- 131 के तहत ध्यान आकर्षण प्रस्ताव।

विषय- मुनाबाव में वार म्युजियम स्थापित करने के संबंध में।

महोदय,

उपर्युक्त विषयान्तर्गत निवेदन हैं कि भारत-पाकिस्तान युद्ध 1971 में भारतीय सेना के सेनानायक ब्रिगेडियर भवानीसिंह के अदम्य शौर्य, साहस, युद्ध कुशलता और वीरता से पाकिस्तान पर भारत की हुई जीत के लगभग 53 वर्ष पूर्ण हो चुके है। इस युद्ध में ब्रिगेडियर भवानी सिंह जी ने ठाकुर बलवंत सिंह बाखासर जो कि पाकिस्तान के रेगिस्तान के रास्तों के वाकिफ थे, के साथ में दुश्मन के घर में घुसकर सर्जिकल स्ट्राईक करते हुए पाकिस्तान के छाछरो जो कि सीमा रेखा से 100 किमी भीतर की तरफ था में तिरंगा लहराया था। ब्रिगेडियर भवानीसिंह जी के नेतृत्व में भारतीय फौज के आने की सूचना मात्र से पाकिस्तानी सैनिकों के हौसले पस्त हो गये थे एवं सिंध में बसे हिन्दू परिवारों का सीना गर्व से चौडा हो रहा था। इन्होने पाकिस्तान के तमाम युद्ध चौकियों को नेस्तनाबूत कर दिया था।यह भारत की सबसे एतिहासिक सर्जिकल स्ट्राईक और विजय होगी जहां पर मात्र चार दिन में ही दुश्मन सैनिकों ने हार स्वीकार कर ली।11 दिसंबर 1971 युद्ध विराम के बाद जब तक शिमला समझौता नहीं हुआ तब तक पाकिस्तान के 100 किमी भीतर छाछरो तक की जमीन बाड़मेर जिला कलक्टर और जिला पुलिस अधीक्षक के नियंत्रण में थी। ब्रिगेडियर भवानीसिंह व ठाकुर बलवंतसिंह को युद्ध उपरांत पदक से नवाजा गया । हम युद्ध की 50वी वर्षगांठ मना चुके है और आज भी इस जमीन पर ब्रिगेडियर भवानी सिंह जी की गाथायें अमर है।

इस पूरे ईलाके बाखासर से मुनाबाव, सुंदरा, गडरारोड़ सहित शिव विधानसभा के 1971 के युद्ध क्षेत्र को अब वार म्यूजियम एवं पर्यटन के लिए विकसित किया जावे इस हेतु निम्न मांग हैं-

1. लोंगेवाला म्यूजियम की तर्ज पर मुनाबाव में भी वार म्यूजियम बनाया जावे।

2. मुनाबाव पहुंचने वाले पर्यटकों को 1971 मूवी थियेटरों में दिखाकर अमर गाथा देखने का अवसर दिया जावें।

3. वाघा बोर्डर की तर्ज पर मुनाबाव में रिट्रीट सेरेमनी आयोजित हो इसके लिए बीएसएफ से भी प्रस्ताव भेजा हुआ है।

4. मुनाबाव में ब्रिगेडियर भवानी सिंह एवं ठाकुर बलवंत सिंह का पेनोरमा, पार्क, रॉक पार्क एवं अन्य स्मारक स्थापित किए जाए।

5. 1971 युद्ध के बॉर्डर इलाके के वे तमाम सामान्य नागरिक जिन्होंनें सेना का साथ दिया उन नागरिकों की सूची बनाकर उन्हें या परिवारजनों को सम्मानित किया जाए।

6. बॉर्डर से सटे विधानसभा शिव के सभी गांवों में आज भी बिजली, पानी, चिकित्सा, शिक्षा, सड़क एवं मूलभूत सुविधाओं का अभाव है, इन गावों को विशेष सीमा प्रहरी गांव घोषित कर विकास के लिए अतिरिक्त बजट एवं सुविधाए प्रदान की जाए ।

मैं इस ध्यान आकर्षण प्रस्ताव के माध्यम से माननीय मंत्री महोदय से निवेदन करना चाहता हूं कि मां भारती के वीर सपूतों की वीर गाथाओं को वार म्यूजियम एवं पर्यटन के लिए विकसित किया जावे।

भवदीय

( रविन्द्र सिंह भाटी )

विभाजन संख्या- 126

दिनांक-